भारत द्वारा क्रिटिकल मिनरल्स का अन्वेषण

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

भारत **[क्रिटिकल मिनरल्स]** को सुरक्षित करने के लिये **अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया** में **वैश्विक साझेदारी का विस्तार** कर रहा है।

- सरकार ने **[नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन]** के तहत **घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण** के लिये **4,000 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं।

मुख्य बिंदु:

- भारत ने **भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI)** के नेतृत्व में **ताँबा-कोबाल्ट अन्वेषण** के लिये **ज़ाम्बिया में 9,000 वर्ग किमी क्षेत्र** हासिल किया है, तथा **2-3 वर्षों** में खनन अधिकार मिलने की उम्मीद है।
    - कनाडा और चीन के मौजूदा निवेश के साथ **ज़ाम्बिया ताँबे के उत्पादन में 7 वें** और **कोबाल्ट उत्पादन में 14 वें स्थान** पर है (वर्ष 2023)।
- भारत **क्रिटिकल मिनरल्स परिसंपत्तियों** के अधिग्रहण के लिये **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, तंज़ानिया, मोज़ाम्बिक और रवांडा** के साथ वार्ता कर रहा है।
- भारत पहले से ही **दक्षिण अमेरिका (अर्जेंटीना, चिली)** और **ऑस्ट्रेलिया** में सक्रिय है, जहाँ **खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (KABIL) लिथियम और कोबाल्ट परिसंपत्तियों** का अन्वेषण कर रहा है।
- **क्रिटिकल मिनरल्स** वे खनिज हैं जो किसी देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय हित के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
    - भारत ने **30 प्रमुख खनिजों** की पहचान की है, जिनमें **लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, निकिल** और **दुर्लभ मृदा तत्त्व (REE)** शामिल हैं।

और पढ़ें: [नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन], [क्रिटिकल मिनरल्स के लिये भारत का रोडमैप]।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-exploration-of-critical-minerals